कभी शूटिंग के बारे में नहीं जानती थीं मनीषा, अब एशियन गेम्स में देश के लिए पदक जीतने का है सपना

नई दिल्ली

भारतीय ट्रैप शूटर मनीषा कीर के लिए शूटिंग कभी उनके जीवन की योजना का हिस्सा नहीं थी। भोपाल के पास एक गांव के साधारण परिवार में पली-बढ़ी मनीषा को एक समय तक यह भी पता नहीं था कि शूटिंग नाम का कोई खेल होता है। उनकी बड़ी बहन सोना ने उन्हें इस खेल से परिचित कराया और यहीं से शुरू हुआ सफर उन्हें राष्ट्रीय स्तर से अंतरराष्ट्रीय मंच तक ले गया।

अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए मनीषा ने नेशनल राइफल एसोसिएशन आफ इंडिया (एनआरएआई) के हवाले से कहा, मुझे तो पता ही नहीं था कि शूटिंग क्या होती है। मैं सिर्फ क्रिकेट, वालीबाल और फुटबाल जानती थी। मुझे शूटिंग के बारे में कुछ पता नहीं था और मैंने इसके बारे में कभी सोचा भी नहीं था।

मनीषा की बड़ी बहन सोना खुद भी खिलाड़ी थीं और उन्होंने ही मनीषा को शूटिंग की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। हालांकि, खेल से जुड़ना उनके लिए आसान नहीं था। सीमित आर्थिक संसाधनों वाले परिवार से आने के कारण उन्हें अपने खेल के लिए कई तरह के समझौते करने पड़े।

उन्होंने कहा, मेरा परिवार मुझे उस तरह से सहयोग करने में सक्षम नहीं था। वे मुझे वह सब कुछ नहीं दे सकते थे जो मैं चाहती थी। मेरे लिए यह बहुत मुश्किल था।

शूटिंग महंगा खेल है और प्रतियोगिताओं के लिए यात्रा के दौरान मनीषा को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ा। महज 18 साल की उम्र में उन्हें अपने खर्चों को लेकर कई बार मुश्किल फैसले लेने पड़ते थे।

मनीषा ने बताया, जब मैं प्रतियोगिताओं के लिए बाहर जाती थी तो मुझे काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ता था। मैं अपनी पसंद का खाना नहीं खा पाती थी और मुझे कुछ पैसे बचाने पड़ते थे।

मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी में शुरुआती दिनों में भी परिस्थितियां आसान नहीं थीं। नियमित कोच उपलब्ध नहीं होने के बावजूद मनीषा ने उपलब्ध संसाधनों में ही सीखना जारी रखा। उनकी बहन ने भी इस दौरान उनका मार्गदर्शन किया।

उन्होंने कहा, अकादमी में जो भी सुविधाएं थीं, वे हमारे लिए पर्याप्त थीं। मेरा मानना है कि आपके पास जो है, आपको उसी के साथ आगे बढ़ना होता है।

यही सोच आगे चलकर मनीषा की पहचान बनी। उन्होंने सुविधाओं की कमी पर ध्यान देने के बजाय उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम इस्तेमाल किया और धीरे-धीरे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई।

मनीषा ने 2018 में जूनियर विश्व चैंपियनशिप में ट्रैप स्पर्धा का रजत पदक जीता। इसके अलावा उन्होंने एशियन गेम्स में भारतीय महिला ट्रैप टीम के साथ रजत पदक भी हासिल किया।

हालांकि, मनीषा के लिए उनकी यात्रा केवल पदकों तक सीमित नहीं रही। शुरुआती संघर्षों ने उन्हें आत्मनिर्भरता और मानसिक मजबूती भी सिखाई।

उन्होंने कहा, कोई भी हमेशा हमारे साथ नहीं रह सकता। हमें खुद का भी ध्यान रखना होता है।

न्यूज ब्रीफ

इंग्लैंड में काउंटी खेलने पहुंचे तेज गेंदबाज आकिब नबी

लंदन। जम्मू-कश्मीर के उभरते हुए तेज गेंदबाज आकिब नबी अब इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलते दिखेंगे। आकिब का लक्ष्य काउंटी में बेहतर प्रदर्शन कर अक्टूबर में होने वाले न्यूजीलैंड दौरे के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करना है। इसी कारण वह काउंटी चैंपियनशिप डिवीजन में खेलने यहां आये हैं। काउंटी में अकीब को तेज और उछाल भरी पिचों पर अंतरराष्ट्रीय अनुभव मिलेगा । आकिब को हाल में हुए श्रीलंका दौरे में चोटिल जसप्रीत बुमराह की जगह पर भारतीय टीम में शामिल किया गया था पर उन्हें खेलने का अवसर नहीं मिला था। अकीब हो हालांकि इस दौरे से शीर्ष स्तर के खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने क अनुभव मिला था। अब उन्हें इंग्लैंड के कठिन हालातों में खेलने के अनुभव से अपनी गेंदबाजी में विविधता लाने और दबाव में बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता को मजबूत करने का अवसर मिलेगा। गौरतलब है कि आकिब ने सरे काउंटी क्लब के साथ तीन मैचों के लिए करार किया है। सरे को भी एक स्विंग गेंदबाज की तलाश थी और आकिब की क्षमताएं उन्हें सही लगीं। एक रिपोर्ट के अनुसार, आकिब यार्कशर के खिलाफ होने वाले मैच में खेल सकते हैं। यार्कशर के खिलाफ 2 से 5 सितंबर तक होने वाले मुकाबले के बाद, सरे को 8 से 11 सितंबर तक ससेक्स और फिर 15 से 18 सितंबर तक ग्लेमोर्गन का सामना करना है। इसन मैचें से उनके लिए अपनी फार्म और फिटनेस को जांचने का अवसर भी मिल जाएगा।

पांड्या नये लुक में दिखे, टीम में वापसी की संभावनाएं बढ़ीं

मुम्बई। पिछले काफी समय से फिट नहीं होने के कारण भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी आलराउंडर हार्दिक पांड्या अब एक नये लुक में दिखे हैं। आमतौर पर स्टाइलिश हेयरकट और दाढ़ी में नजर आने वाले हार्दिक इस बार क्लीन शेव दिखे। जिसने उनके प्रशंसक हैरान रह गये। बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर आफ एक्सीलेंस (सीओई) में रिहैब से गुजर रहे पांड्या की तस्वीरें जमकर वायरल हो रही हैं। इस तस्वीरों में पांड्या के सिर पर बाल और चेहरे पर दाढ़ी नजर नहीं आ रही है पर मूंछें बरकरार हैं। ये अंदाज उनके पहले के सभी लुक्स से काफी अलग है, क्योंकि हार्दिक अक्सर अपने हेयरस्टाइल और हेयर कलर के साथ नये-नये प्रयोग करते रहे हैं। यह नया अंदाज उन्होंने कब अपनाया, यह तो स्पष्ट नहीं है, लेकिन हाल ही में उन्हें बेंगलुरु में ईस्ट जोन और सेंट्रल जोन के बीच खेले जा रहे सेमीफाइनल मैच उनका ये अंदाज दिखा। देखते ही देखते उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गईं और प्रशंसा उनके इस नए रूप पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। गौरतलब है कि हार्दिक ने भारतीय टीम के लिए अपना पिछला मुकाबला बीते टी20 विश्व कप में खेला था। इसके बाद से ही वह आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए नजर आए थे हालांकि टूर्नामेंट के बीच में उन्हें कुछ शारीरिक दिक्कतें हुईं, जिसके कारण वह बीच में ही लीग से बाहर हो गए और फिर वापस नहीं लौट सके। तभी से वह राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के केन्द्र सीओई में अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं।

यूएस ओपन 2026: कार्लोस अल्कराज ने दूसरे दौर में बनाई जगह, साफिलिन को सीधे सेटों में हराया

न्यूयार्क। गत चैंपियन कार्लोस अल्कराज ने लंबे समय बाद प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी करते हुए यूएस ओपन के दूसरे दौर में जगह बना ली। स्पेन के अल्कराज ने हले दौर में रूस के रोमन साफिलिन को लगातार तीन सेटों में 6-4, 6-4, 6-4 से हराया। अल्कराज अप्रैल में कलाई की चोट के बाद पहली बार एकल मुकाबले में कोर्ट पर उतरे थे। पांच महीने तक प्रतिस्पर्धी मुकाबले से दूर रहने के बावजूद उन्होंने शुरुआत से ही नियंत्रण बनाए रखा और साफिलिन को वापसी का ज्यादा मौका नहीं दिया। मैच के बाद अल्कराज ने कहा, मेरे लिए ये पांच महीने काफी मुश्किल रहे। मुझे इसकी कमी महसूस हुई। मुझे दर्शकों, माहौल, ऊर्जा और प्रतियोगिता की कमी महसूस हुई। मुझे हर चीज की कमी महसूस हुई। उन्होंने आगे कहा, मैं बेहद खुश हूं कि दोबारा प्रतिस्पर्धा करने में सफल रहा। मुझे यकीन है कि आने वाले मुकाबलों में मेरे टेनिस का स्तर और बेहतर होगा। पहले मैच में अपने प्रदर्शन से मैं काफी खुश हूं। जैनिक सिनर के चोटिल होने और नोवाक जोकोविच के पहले दौर में बाहर होने के बाद अल्कराज के खिताब बचाने की संभावनाएं और मजबूत मानी जा रही हैं। दूसरे दौर में उनका सामना पुर्तगाल के जैमे फारिया से होगा। तिसित्सिपास ने शीर्ष-10 खिलाड़ी आर्थर फिल्स को हराया एक और शीर्ष-10 खिलाड़ी टूर्नामेंट से बाहर हो गया। सिनसिनाटी ओपन का खिताब जीतकर यूएस ओपन पहुंचे आर्थर फिल्स को ग्रीस के स्टेफानोस तिसित्सिपास ने 4-6, 7-6(3), 6-1, 6-4 से शिकस्त दी। इस बार फ्लशिंग मेडोज में गैरवरीय तिसित्सिपास ने जीत के बाद भरोसा जताया कि वह फिर से विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान तक पहुंच सकते हैं।

मेसी के नाम हैं कई असाधारण रिकार्ड जिनका टूटना है असंभव

ब्यूनस आयर्स

अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबालर लियोनेल मेसी ने अचानक ही अंतरराष्ट्रीय फुटबाल से संन्यास ले लिया। मेसी के संन्यास के साथ ही फुटबाल का एक युग समाप्त हो गया। अपने दो दशक से अधिक के करियर में मेसी ने कई उपलब्धियां हासिल करने के साथ ही ऐसे रिकार्ड बनाये हैं जिनके तोड़ना लगभग असंभव है। अपने असाधारण खेल से मेसी ने फुटबाल के इतिहास में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज कराया है।

मेसी ने अपने करियर में कई ऐसे मील के पत्थर स्थापित किए, जो उनकी अद्वितीय प्रतिभा और खेल पर उनके दबदबे को दिखाते हैं। उनके नाम तीन ऐसे रिकार्ड हैं जिनका टूटना कठिन ही नहीं नामुमकिन भी है। इसमें प्रतिष्ठित व्यक्तिगत अवार्ड, बैलन डीओर हैं। मेसी ने रिकार्ड 8 बार यह प्रतिष्ठित सम्मान अपने नाम किया है। यह एक ऐसी उपलब्धि है जिसे फुटबाल के इतिहास में किसी अन्य खिलाड़ी ने हासिल नहीं किया है। ये संख्या उनकी निरंतरता, उत्कृष्टता और दशकों तक खेल पर उनके अद्भुत प्रभुत्व का प्रमाण है। वहीं दूसरा अविश्वसनीय रिकार्ड एक कैलेंडर ईयर में सर्वाधिक गोल करने का है। साल 2012 में मेसी ने अपने क्लब बार्सिलोना और अपनी राष्ट्रीय टीम अर्जेंटीना दोनों के लिए खेलते हुए कुल 91 गोल किये थे। यह एक ऐसा आंकड़ा है जिसे गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड्स में भी दर्ज किया गया है। विश्व स्तर पर इतने अधिक गोल करना उनकी असाधारण गोल-स्कोरिंग क्षमता का उनूठा उदाहरण है, जिसे भविष्य में दोहरा पाना किसी भी स्ट्राइकर के लिए बेहद कठिन होगा। इसके अलावा फुटबाल की सबसे प्रतिष्ठित लीगों में से एक, ला लीगा में भी मेसी के नाम कई बड़े रिकार्ड दर्ज हैं। उन्होंने इस लीग में सबसे अधिक 474 गोल किए हैं, जो उन्हें लीग के इतिहास का सबसे बड़ा गोलस्कोरर बनाता है। इसके साथ ही, वह ला लीगा में सर्वाधिक 192 गोल करने में सहायक रहने वाले खिलाड़ी भी हैं। ये आंकड़े दिखाते हैं कि मेसी केवल एक शानदार गोल स्कोरर ही नहीं थे, बल्कि एक असाधारण प्लेमेकर भी थे, जो अपनी टीम के साथियों के लिए लगातार गोल के अवसर बनाते थे। गौरतलब है कि मेसी का अंतरराष्ट्रीय करियर कुल 21 साल लंबा चला।

टेस्ट कप्तान के रूप में सबसे अधिक रनों का रिकार्ड है स्मिथ के नाम

मुम्बई। टेस्ट क्रिकेट में कप्तानी के साथ ही रनों के मामले में भी अव्वल रहने के रिकार्ड की बात करें तो प्रशंसकों के दिमाग में आस्ट्रेलिया के रिकी पोटिंग या भारत के महेन्द्र सिंह धोनी के नाम आयेंगे पर ये सही नहीं है। कप्तानी के साथ ही सबसे अधिक रन दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ ने बनाये हैं। स्मिथ ने उन्होंने कप्तानी करते हुए 8,500 से अधिक रन बनाए हैं। उनके और दूसरे नंबर के खिलाड़ी के बीच 2000 रनों का अंतर है। स्मिथ ने अपने करियर में 109 टेस्ट मैचों में दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी करते हुए 193 पारियों में कुल8,659 रन बनाए। इस दौरान उनका बल्लेबाजी औसत 47.84 रहा, जिसमें 25 शतक और 36 अर्धशतक शामिल थे। कप्तान के तौर पर उनका सबसे अधिक स्कोर 277 रन रहा, जो उनकी असाधारण क्षमता का प्रमाण है। स्मिथ की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका ने लंबे समय तक टेस्ट क्रिकेट में अपनी एक मजबूत पहचान बनाए रखी और वह टीम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक थे। वहीं इस सूची में दूसरे नंबर पर आस्ट्रेलिया के दो महान कप्तानों का नाम आता है। एलन बार्डर, जिन्होंने 93 टेस्ट मैचों में आस्ट्रेलिया की कमान संभाली, 6,623 रन बनाकर दूसरे स्थान पर हैं। उनका औसत 50.95 रहा और उन्होंने 15 शतक तथा 36 अर्धशतक लगाये। वहीं, रिकी पोंटिंग तीसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने 77 टेस्ट में कप्तानी करते हुए 6,542 रन बनाए। पोंटिंग के नाम 19 शतक और 35 अर्धशतक दर्ज हैं, जबकि उनका औसत 51.51 और सर्वश्रेष्ठ स्कोर 209 रन रहा। भारतीय कप्तानों में, विराट कोहली इस सूची में चौथे स्थान पर हैं। उन्होंने 68 टेस्ट मैचों में कप्तानी करते हुए 113 पारियों में 5,864 रन बनाए। कोहली ने इस दौरान 20 शतक और 18 अर्धशतक लगाए। उनका बल्लेबाजी औसत 54.80 रहा, जो शीर्ष-5 बल्लेबाजों में सबसे अधिक है, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 254 रन रहा। इंग्लैंड के जो रूट इस सूची में पांचवें स्थान पर हैं। उन्होंने 67 टेस्ट मैचों में कप्तान रहते हुए 123 पारियों में 5,512 रन बटोरे। रूट के नाम 14 शतक और 28 अर्धशतक हैं, जबकि कप्तान के रूप में उनका बल्लेबाजी औसत 46.32 रहा। भारत के सबसे सफल कप्तानों में शामिल महेन्द्र सिंह धोनी इस आंकड़े में टाप-5 में जगह नहीं बना सके। धोनी इस सूची में 20वें नंबर पर हैं, जिन्होंने कप्तान के तौर पर 60 टेस्ट मैचों की 96 पारियों में 3,454 रन बनाए। उनके नाम कप्तान के रूप में 5 शतक और 24 अर्धशतक रहे, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 224 रन था।

यूएस ओपन 2026: इगा स्वियातेक ने वांग शियू को हराकर दूसरे दौर में बनाई जगह

न्यूयार्क

पोलैंड की आठवीं वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक ने यूएस ओपन 2026 में जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। 2022 की चैंपियन स्वियातेक ने चीन की वांग शियू को सीधे सेटों में 6-2, 6-3 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया।

स्वियातेक ने आर्थर ऐश स्टेडियम के बजाय लुई आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में 88 मिनट में जीत दर्ज की। उन्होंने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और पहले सेट में 3-1 की बढ़त हासिल करने के बाद एक और सर्विस ब्रेक के साथ सेट अपने नाम कर लिया।

दूसरे सेट में भी स्वियातेक ने दबाव बनाए रखा। आठवें गेम में सर्विस ब्रेक हासिल करने के बाद उन्होंने मुकाबला समाप्त कर दिया।

मैच के बाद स्वियातेक ने कहा, निश्चित रूप से यह मेरे लिए अच्छा दिन रहा। शुरुआत से ही मुझे काफी अच्छा महसूस हो रहा था। मेरे अंदर ऊर्जा और तीव्रता थी और मैं इसे आगे भी बनाए रखना चाहती हूं।

उन्होंने कहा कि वांग के गहरे और काफी टापस्पिन वाले शाट्स का सामना करने के लिए उन्हें अपनी ताकत का इस्तेमाल करना पड़ा।

स्वियातेक इस समय शानदार फार्म में हैं। उन्होंने हाल ही में टोरंटो ओपन का खिताब जीता था और सिनसिनाटी ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंची थीं। अब उनकी नजर अपने सातवें ग्रैंड स्लैम खिताब पर है। स्वियातेक ने कहा, कुछ अच्छे परिणामों के बाद ग्रैंड स्लैम में आना अच्छा है। मैंने इस चरण में काफी सुधार किया है और अब अपने खेल की छोटी-छोटी कमियों को बेहतर करने पर ध्यान दे रही हूं। दूसरे दौर में स्वियातेक का सामना नादिया पोडोरोस्का से होगा, जिन्होंने इससे पहले सिमोना वाल्टर्ट को हराकर अगले दौर में जगह बनाई।

अनिसिमोवा भी दूसरे दौर में

अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा ने भी आसान जीत के साथ दूसरे दौर में प्रवेश किया। उन्होंने हमवतन एशलिन क्रूगर को 6-1, 6-3 से हराया। अब अनिसिमोवा का सामना आस्ट्रिया की लिली टैगर से होगा।

एकदिवसीय क्रिकेट इतिहास में सबसे ज्यादा मैच हारने वाली टीम है श्रीलंका

मुम्बई। एकदिवसीय क्रिकेट में जहां कुछ टीमों ने एक से अधिक बार विश्व कप ट्राफियां जीतने के साथ ही कई और रिकार्ड भी बनाये हैं। वहीं कुछ टीमों को लगातार हार का सामना करना पड़ा है। एकदिवसीय में दो टीमें ऐसे हैं जो 450 से अधिक मैच हारी हैं। इसमें श्रीलंकाई टीम सबसे ऊपर है। साल 1996 का विश्व कप जीतकर अपनी पहचान बनाने वाली श्रीलंकाई टीम ने कुल 945 एकदिवसीय मुकाबले खेले हैं। इनमें से उन्हें 436 मैचों में जीत मिली है। वहीं 461 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। इसके अलाव उसके 6 मैच टाई रहे और 42 मैचों का कोई परिणाम नहीं आया। इस प्रकार श्रीलंका का जीत-हार का अनुपात 0.945 रहा, जिसमें उनकी बल्लेबाजी का औसत 29.63 और गेंदबाजी की इकानमी 4.95 दर्ज की गई। वहीं दो बार विश्वप कप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम इस सूची में दूसरे स्थान पर है। भारतीय टीम ने अब तक सबसे ज्यादा 1081 एकदिवसीय मैच खेले हैं। इनमें उसे 575 मैचों में शानदार जीत मिली पर 452 बार हार भी झेलनी पड़ी है।

यूएस ओपन 2026: स्टेन वावरिंका का ग्रैंड स्लैम करियर हार के साथ खत्म

न्यूयार्क,

तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्विट्जरलैंड के स्टेन वावरिंका का शानदार ग्रैंड स्लैम करियर यूएस ओपन 2026 के पहले दौर में हार के साथ समाप्त हो गया। 2016 के यूएस ओपन चैंपियन वावरिंका को इटली के माटेओ बेरेटिनी ने 7-6(4), 7-6(3), 6-0 से हराया। 38 वर्षीय वावरिंका ने पहले दो सेट में अपने से कम उम्र के बेरेटिनी को कड़ी चुनौती दी। दोनों सेट टाईब्रेक तक पहुंचे, लेकिन बेरेटिनी ने अहम मौकों पर संयम बनाए रखा और दोनों टाईब्रेक जीतकर मुकाबले में 2-0 की बढ़त बना ली।

पहले सेट में वावरिंका एक समय पीछे चल रहे थे, लेकिन बेरेटिनी के सेट के लिए सर्विस करने के दौरान उन्होंने शानदार वापसी की और उनकी सर्विस शून्य पर तोड़कर स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद वावरिंका को सेट प्वाइंट भी मिला, लेकिन बेरेटिनी ने लगातार चार ड्यूस के बाद गेम बचाया और टाईब्रेक में तीन लगातार अंक हासिल कर पहला सेट अपने नाम कर लिया।

दूसरे सेट में बारिश के कारण थोड़ी देर खेल रुका। वापसी के बाद वावरिंका ने बेरेटिनी की सर्विस तोड़कर बढ़त बनाई, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सके। स्विस खिलाड़ी को कुल सात ब्रेक प्वाइंट मिले, जिनमें तीन सेट प्वाइंट थे, लेकिन बेरेटिनी ने सभी महत्वपूर्ण मौकों पर वापसी करते हुए दूसरा टाईब्रेक भी जीत लिया।

तीसरे सेट में बेरेटिनी ने पूरी तरह दबदबा बना लिया और लगातार तीन बार वावरिंका की सर्विस तोड़ते हुए सेट 6-0 से जीत लिया। इसके साथ ही वावरिंका के शानदार ग्रैंड स्लैम करियर पर पर्दा गिर गया।

न्यूयार्क में वावरिंका की मौजूदगी इस बार खास रही। तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन को शुरुआत में वाइल्ड कार्ड के लिए आवेदन करने के बावजूद एकल मुख्य ड्रा में जगह नहीं मिली थी। इस फैसले पर प्रशंसकों ने नाराजगी जताई, जिसके बाद अमेरिकी खिलाड़ी पैट्रिक किप्सन के चोट के कारण हटने पर वावरिंका को मुख्य ड्रा में शामिल किया गया।

2019 में यूएस ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंच चुके बेरेटिनी का दूसरे दौर में सामना अर्जेंटीना के मारियान नावेने से होगा। नावेने ने बड़ा उलटफेर करते हुए चौथी वरीयता प्राप्त नोवाक जोकोविच को पांच सेट में हराया था।

क्वीन पार्क ओवल में ब्रावो, पोलार्ड और नरेन के नाम पर स्टैंड, टी20 के तीन दिग्गजों को मिला सम्मान

पोर्ट आफ स्पेन

त्रिनिदाद एवं टोबैगो के तीन महान आधुनिक क्रिकेटरों ड्वेन ब्रावो, कीरोन पोलार्ड और सुनील नरेन को उनके शानदार क्रिकेट करियर के लिए खास सम्मान दिया गया है। ऐतिहासिक क्वीन पार्क ओवल में उनके सम्मान में एक स्टैंड का नाम बदलकर ब्रावो, पोलार्ड एंड नरेन स्टैंड कर दिया गया है।

क्वीन पार्क क्रिकेट क्लब (क्यूपीसीसी) ने त्रिनिदाद एवं टोबैगो के 64वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इस नए नाम वाले स्टैंड का अनावरण किया। इससे पहले यह स्टैंड ट्रिनी पास स्टैंड के नाम से जाना जाता था।

यह सम्मान तीनों खिलाड़ियों के अंतरराष्ट्रीय और फ्रेंचाइजी क्रिकेट में योगदान के साथ-साथ टी20 क्रिकेट के वैश्विक विकास में उनकी भूमिका को समर्पित है। तीनों खिलाड़ी त्रिनिदाद एवं टोबैगो क्रिकेट की पहचान और दुनिया भर में कैरेबियाई टी20 क्रिकेट के बढ़ते प्रभाव के प्रमुख चेहरों में रहे हैं।

क्वीन पार्क ओवल में अब इन तीनों के नाम के साथ त्रिनिदाद एवं टोबैगो के कई दिग्गजों की विरासत भी जुड़ गई है। स्टेडियम में ब्रायन लारा पवेलियन, डेरिक मरे प्लेयर्स गैलरी, जेफ्री स्टालमेयर स्टैंड, लियरी कान्स्टेंटाइन स्टैंड, गेरी गोमेज मीडिया सेंटर और सिरिल एल. ड्यूप्रे स्टैंड भी हैं।

टी20 क्रिकेट में बनाया खास मुकाम - कीरोन पोलार्ड टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा मुकाबले खेलने वाले खिलाड़ी हैं। वह 700 से अधिक टी20 मैच खेल चुके हैं और उनके नाम 14,000 से अधिक रन तथा 330 से ज्यादा विकेट हैं। ड्वेन ब्रावो टी20 क्रिकेट के सबसे सफल आलराउंडरों में शामिल रहे हैं। उन्होंने अपने करियर में 631 टी20 विकेट लिए, जो उनके संन्यास के समय पुरुष टी20 क्रिकेट में सर्वाधिक थे। उनके नाम करीब 7,000 रन भी हैं।

वहीं सुनील नरेन हाल ही में टी20 क्रिकेट में 650 विकेट पूरे करने वाले इतिहास के केवल दूसरे गेंदबाज बने। वह कैरेबियन प्रीमियर लीग के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी हैं। तीनों खिलाड़ियों ने इंडियन प्रीमियर लीग, कैरेबियन प्रीमियर लीग और दुनिया की अन्य प्रमुख टी20 लीग में कई खिताब जीते हैं और अपनी अलग पहचान बनाई है।

एक ही टीम से फिर जुड़े तीनों दिग्गज - तीनों दिग्गज इस समय त्रिनिदाद एवं टोबैगो में ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के 2026 कैरेबियन प्रीमियर लीग अभियान का हिस्सा हैं। पोलार्ड और नरेन टीम के लिए मैदान पर खेल रहे हैं, जबकि ब्रावो टीम के कोचिंग स्टाफ से जुड़े हैं। क्वीन पार्क क्रिकेट क्लब ने कहा कि स्टैंड का नामकरण केवल खिलाड़ियों के आंकड़ों और खिताबों का सम्मान नहीं है, बल्कि यह त्रिनिदाद एवं टोबैगो से निकलकर विश्व क्रिकेट के शीर्ष स्तर तक पहुंचने की उनकी यात्रा और नई पीढ़ी के क्रिकेटरों को दी गई प्रेरणा का भी सम्मान है।